संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री श्रीकान्त जैना): (क) से (घ) किसी राज्य में पर्यटन केन्द्रों का अभिनिर्धारण तथा विकास करना मुख्यतः सम्बन्धित राज्य सरकारों की जिम्मेदारी हैं । गुजरात सरकार ने सासनगीर,पावांगढ़,चोरवाड़.पलटाना,विशाल,द्वार का बरवाल,पोरबन्दर,लोयल,आदि में पर्यटन एककों के उपयुक्त रखरखाव के लिए कदम उठाएं हैं ।

मध्य प्रदेश में पर्यटन परिपथ

2323.**श्री राघवजी**: क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत सरकार द्वारा मध्य प्रदेश के लिए कौन कौन से पयर्टन परिपय निश्चित किए गए हैं :

(ख) इन पर्यटन परिपथों के विकास हेतु,कौन-कौन सी योजनाएं सरकार के विचारधीन है और इन योजनाओं को कब तक कार्यान्वित किए जाने की संभावना है;

(ग) क्या इन पर्यटन परिपथों में सांची,उदयगिरि,उदयपुर,और भोजपुर को शामिल किया गया है;यदि नहीं,तो क्या भविष्य में इन्हें शामिल किया जाएगा ;और

(घ) यदि हां,तो कब तक और यदि नहीं,तो इसके क्या कारण हैं,

संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री श्रीकान्त जैना): (क) मध्य प्रदेश में गहन विकास के लिए निम्नलिखित दो यात्रा परिपथों की पहचान की है:-

1.ग्वालियर शिवपुरी ओरछा-खजुराहो

2. भोपाल सांची इंदौर उज्जैन-महेश्वर ओंकारेश्वर-ममांडू

(ख) से (घ) राज्य सरकार के परामर्श से वर्ष 1997-98के दौरान 15300 लाख रूपए की केन्द्रीय वित्तीय सहायता हेतु उपरोक्त परिपथों में निम्नलिखित परियोजनाओं को प्राथमिकता दी गई है :-

(1) ओरछा में ध्वनि व प्रकाश प्रदर्शन ।

(2) खजुराहो और ओरछा में जल-क्रीड़ा सुविधाएं ।

(3) सांची में पर्यटक स्वागत केन्द्र ।

(4) सांची-मांडू के लिए आडियों गाइड

(5) मांडू एंव ओरछा उत्सव

नए केन्द्रों और परिपथों की पहचान करना और विकास करना मुख्यतया राज्य सरकार की जिम्मेदारी है फिलहाल मौजूदा परिपथों का विस्तार करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है ।

मध्य प्रदेश में साहसिक पर्यटन

2324.**श्री राघवजी**: क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेगे कि:

(क) क्या केन्द्रीय सरकार मध्य प्रदेश में साहसिक पयर्टन को बढ़ावा देने के लिए कोई सहायता प्रदान करती है,यदि हां,तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं;और

(ख) यदि नहीं,तो उसके क्या कारण हैं और क्या भविष्य में मध्य प्रदेश में साहसिक पयर्टन को बढ़वा देने हेतु कोई सहायता प्रदान करने पर विचार किया जाएगा ?